प्रलिमि्स फैक्ट्स: 07 सतिंबर, 2021

- हाइसीन: नई श्रेणी के बाह्य ग्रह
- भारत का सबसे ऊँचा वायु शोधक: चंडीगढ़
- मांडा भैंस: ओडशिा
- डेफएक्सपो-2022

हाइसीन: नई श्रेणी के बाह्य ग्रह

Hycean:New class outer planets

हाल ही में कुछ खगोलवदिों ने एक्सोप्लेनेट के एक नए वर्ग हाइसीन वर्ल्ड (Hycean Worlds) की पहचान की है।

प्रमुख बदिु

- **परचिय:**
  - हाइसीन वर्ल्ड हाइड्रोजन और महासागर से मलिकर बना है। ग्रह-व्यापी महासागर एवं हाइड्रोजन-समृद्ध वातावरण इस वर्ल्ड को कवर कर सकते हैं।
  - पृथ्वी के व्यास के 2.6 गुने व्यास, 200 डग्रिी सेल्सयिस से अधकि तापमान तथा हाइड्रोजन की मोटी परत के साथ वे वशिष्टि प्रकार के एलयिन ग्रह हैं। इनका यह गुण उन्हें पृथ्वी और नेपच्यून या यूरेनस जैसे वशिाल ग्रहों के बीच कहीं स्थापति करता है।
    - सौरमंडल में कोई एनालॉग नहीं होने के कारण इन ग्रहों को उनके घनत्व के आधार पर वस्तिृत संघटन (Bulk Compositions) के संबंध में अनुमानों पर **सुपर-अर्थ** या **मनिी-नेप्चयून** के रूप में वर्गीकृत कयिा गया है।
  - अधकिांश मनिी-नेप्चयून के वपिरीत इन ग्रहों में पृथ्वी की तरह ठोस सतह हो सकती है। कई ज्ञात हाइसीन ग्रह पृथ्वी की तुलना में कहीं अधकि बड़े हैं जहाँ महासागर उपस्थति हो सकते हैं।
  - कुछ हाइसीन अपने सतिारों के साथ ज्वारबंधन की स्थतिि में होते हैं अर्थात् इतने करीब से परक्रिमा करते हैं कि इन पर दनि की अवधि अत्यधकि ग्रम होती है तथा दूसरी तरफ घना अंधेरा रहता है। साथ ही कुछ हाइसीन अपने सतिारे से बहुत दूरस्थति होते हैं तथा बहुत कम प्रकाश प्राप्त करते हैं लेकनि ऐसे हाइसीन पर भी जीवन मौजूद हो सकता है।
    - **ज्वारबंधन (Tidal Locking)** उस स्थतिि को दयिा गया नाम है जब कसिी वस्तु की कक्षीय अवधि उसकी घूरणन अवधि से मेल खाती है।
- **महत्त्व:**
  - ऐसे ग्रहों पर स्थतियिाँ हमारे ग्रह से कुछ अधकि चरम जलीय वातावरण के समान हो सकती हैं, लेकनि सैद्धांतकि रूप से कम-से-कम माइक्रोबयिल जीवन का समर्थन कर सकती हैं।
  - हाइसीन वर्ल्ड कहीं और जीवन की खोज में तेज़ी ला सकता है। कुछ मायनों में वे बड़े पैमाने पर या यहाँ तक कि पूरी तरह से महासागरों से आच्छादति पृथ्वी की याद दलिाते हैं।
    - हाइसीन वर्ल्ड पृथ्वी से भनि्न जीवन का समर्थन कर सकता है।
- **एक्सोप्लेनेट:**
  - एक एक्सोप्लेनेट या एक्स्ट्रासोलर ग्रह सौरमंडल के बाहर स्थति एक ग्रह है। एक्सोप्लेनेट की जानकारी के बारे में पुष्टि पहली बार वर्ष 1992 में की गई थी।
    - अब तक 4,400 से अधकि एक्सोप्लेनेट की खोज की जा चुकी है।
  - एक्सोप्लेनेट को सीधे दूरबीन से देखना बहुत कठनि है। वे उन सतिारों की अत्यधकि चमक से छपि हुए हैं जनिकी वे परक्रिमा करते हैं। इसलयि खगोलवदि् एक्सोप्लेनेट का पता लगाने और उनका अध्ययन करने के लयि अन्य तरीकों का उपयोग करते हैं जैसे कि ग्रहों के उन सतिारों पर पड़ने वाले प्रभावों को देखना जनिकी वे परक्रिमा करते हैं।

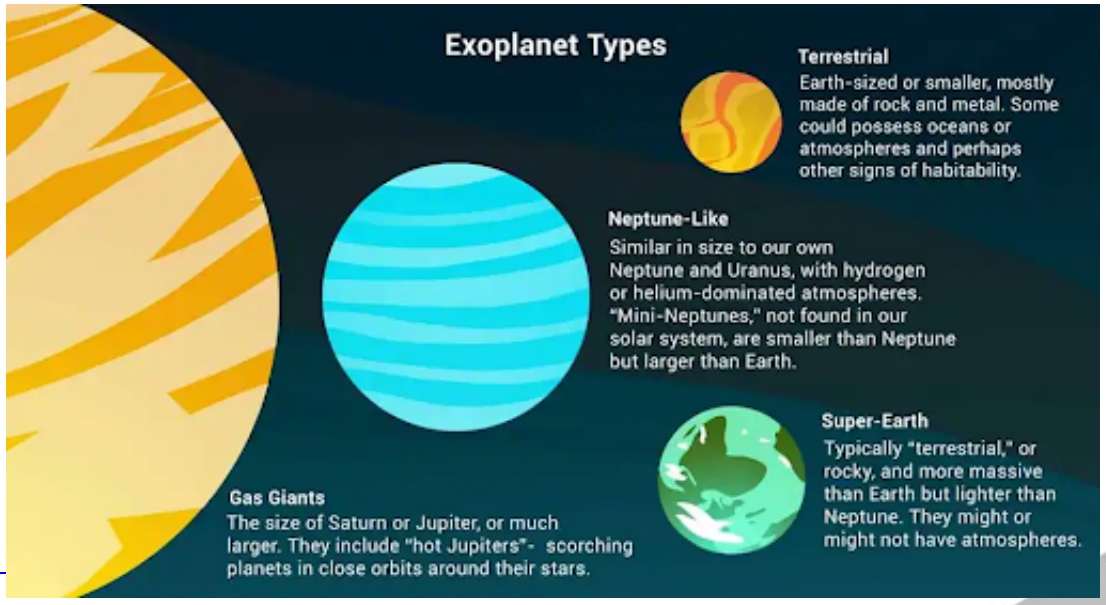

[//](#)

भारत का सबसे ऊँचा वायु शोधक: चंडीगढ़

India's Tallest Air Purifier: Chandigarh

नीले आसमान के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस (International Day of Clean Air for Blue Skies) पर चंडीगढ़ में भारत के सबसे ऊँचे वायु शोधक का उद्घाटन किया गया।

- इससे पहले अगस्त 2021 में **नई दिल्ली** के कनॉट प्लेस में देश के पहले '**स्मॉग टॉवर**' का उद्घाटन किया गया था।

प्रमुख बिंदु

- **संदर्भ:**
  - यह 24 मीटर ऊँचा आउटडोर वायु शोधन टॉवर है और लगभग 1 किमी. के दायरे की वायु को शुद्ध करने में सक्षम है।
  - यह अपने द्वारा **ग्रहण की गई और छोड़ी गई वायु का गुणवत्ता सूचकांक** भी दर्शाएगा। यह विद्युत के माध्यम से कार्य करता है।
    - वायु शोधक, वायु प्रदूषण कणों को कम करने के लिये बड़े पैमाने पर वायु शोधक के रूप में डिज़ाइन की गई संरचनाएँ हैं।
  - चंडीगढ़, **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)** मानदंडों के अनुसार, देश के गैर-प्राप्ति (**Non-Attainment**) श्रेणी के शहरों में से एक है जिसका अर्थ है कि यह पाँच वर्ष की अवधि में हानिकारक पीएम 10 (पार्टिकुलेट मैटर जो 10 माइक्रोन या उससे कम व्यास का है), पीएम 25 या NO2 (नाइट्रोजन डाइऑक्साइड) के लिये लगातार **राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS)** को पूरा नहीं करता है।
    - लॉकडाउन अवधि के दौरान "संतोषजनक" और "मध्यम" रहने के बाद तथा कुछ महीनों के पश्चात् वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) नवंबर 2020 में पहली बार फिर से "खराब" स्थिति में हो गया था।
- **नीले आसमान के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस:**
  - **संयुक्त राष्ट्र महासभा** (UNGA) ने दिसंबर 2019 में एक प्रस्ताव अपनाया जिसके द्वारा 7 सितंबर को **नीले आसमान के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस** की घोषणा की गई।
  - इसका उद्देश्य **जलवायु परिवर्तन**, मानव और ग्रहीय स्वास्थ्य के साथ-साथ **सतत् विकास लक्ष्यों** जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करने के लिये व्यापक स्तर पर बातचीत को जारी रखते हुए सभी के लिये स्वस्थ वायु की आवश्यकता को प्राथमिकता देना है।
  - वर्ष 2030 तक वायु, जल और मिट्टी में रसायनों जैसे प्रदूषकों के कारण हताहतों की संख्या और रोगों को कम करने की आवश्यकता को मान्यता देने के लिये प्रस्ताव को अपनाया गया था।
  - **वर्ष 2021** के लिये थीम **स्वस्थ वायु, स्वस्थ ग्रह (Healthy Air, Healthy Planet)** है।

मांडा भैंस: ओडिशा

Manda Buffalo: Odisha

मांडा भैंस को राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (National Bureau of Animal Genetic Resources- NBAGR) द्वारा भारत में पाई जाने वाली भैंसों की 19वीं अनूठी नस्ल के रूप में मान्यता दी गई है।

- मवेशियों की चार नस्लें- बझिारपुरी, मोटू, घुमुसरी, खरयिार तथा भैंस की दो नस्लें- चलिकिा एवं कालाहांडी और भेड़ की एक नस्ल- केंद्रपाड़ा को पहले ही NBAGR द्वारा मान्यता प्रदान की जा चुकी है।

प्रमुख बदिु

- **मांडा:**
  - **नविास:**
    - यह **पूर्वी घाटों** और ओडशिा के कोरापुट क्षेत्र के पठार में पाए जाते हैं।
    - इन छोटी और मज़बूत भैंसों का उपयोग उनके मूल नविास स्थानों पर जुताई के लयि कयिा जाता है।
  - **वशिषताएँ:**
    - इस नस्ल के भैंसों के शरीर का रंग आमतौर पर धूसर (Grey) होता है तथा कुछ चांदी के समान सफेद रंग के होते हैं।
  - **नस्ल की वशिषता:**
    - मांडा परजीवी संक्रमणों के लयि प्रतरिोधी हैं, जनिमें बीमारयिों की संभावना कम होती है और ये कम या शून्य इनपुट प्रणाली पर जीवति रहने के साथ ही उत्पादन और प्रजनन में सक्षम होते हैं।
- **मान्यता का महत्त्व:**
  - राज्य एवं केंद्र ओडशिा के इस अद्वतिीय भैंस आनुवंशकि संसाधन के संरक्षण और प्रजनन रणनीतकि माध्यम से इनकी उत्पादकता बढ़ाने के प्रयास करेंगे।
  - सरकार इनसे प्राप्त उत्पादों- दूध, दही और घी को प्रीमयिम मूल्य पर वपिणन करने में मदद करेगी जसिके परणिामस्वरूप मूल क्षेत्र में हतिधारकों की आजीवकिा में सुधार होगा।
- **राष्ट्रीय पशु आनुवंशकि संसाधन ब्यूरो:**
  - **भारतीय कृषि अनुसंधान परषिद** (ICAR)- राष्ट्रीय पशु आनुवंशकि संसाधन ब्यूरो, करनाल (ICAR-NBAGR) देश के पशुधन और कुक्कुट के नए पहचाने गए प्लाज़्मा जर्मप्लाज़्म (Germplasm) के पंजीकरण के लयि नोडल एजेंसी है।
  - इसके अधदिश में पशुधन एवं कुक्कुट आनुवंशकि संसाधनों की पहचान, मूल्यांकन, वशिषता, संरक्षण और टकिाऊ उपयोग शामलि है।

डेफएक्सपो-2022

DefExpo-2022

मार्च 2022 में डेफएक्सपो-2022 (DefExpo) का 12वाँ संस्करण **गुजरात के गांधीनगर** में आयोजति कयिा जाएगा।

प्रमुख बदिु

- **संदर्भ:**
  - डेफएक्सपो रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख द्ववािर्षकि कार्यक्रम है, जसिमें भूमि, नौसेना, वायु के साथ-साथ मातृभूमि सुरक्षा प्रणालयिों का प्रदर्शन कयिा जाता है।
  - डेफएक्सपो-2022 का उद्देश्य **रक्षा क्षेत्र में आत्मनरि्भरता** प्राप्त करने के वज़िन पर आगे बढ़ना और वर्ष 2024 तक 5 बलियिन डॉलर के रक्षा नरि्यात के लक्ष्य को प्राप्त करना है।
  - **डेफएक्सपो का 11वाँ संस्करण** वर्ष 2020 में **लखनऊ (उत्तर प्रदेश)** में आयोजति कयिा गया था।
- **आत्मनरि्भर भारत के तहत रक्षा क्षेत्र में सुधार:**
  - **प्रत्यक्ष वदिेशी नविेश (FDI) सीमा में संशोधन:** स्वचालति मार्ग के तहत रक्षा नरि्माण में FDI की सीमा 49% से बढ़ाकर 74% कर दी गई है।
  - **परयिोजना प्रबंधन इकाई (PMU):** सरकार से एक परयिोजना प्रबंधन इकाई (अनुबंध प्रबंधन उद्देश्यों के लयि) की स्थापना करके समयबद्ध रक्षा खरीद और तेज़ी से नरि्णय लेने की आशा की जाती है।
  - **रक्षा आयात वधियक में कमी:** सरकार आयात के लयि प्रतबिंधति हथयिारों/प्लेटफॉर्मों की एक सूची अधसिूचति करेगी और इस प्रकार ऐसी वस्तुओं को केवल घरेलू बाज़ार से ही खरीदा जा सकता है।
    - घरेलू पूंजी खरीद के लयि अलग बजट प्रावधान।
  - **आयुध नरि्माणी बोर्ड का नगिमीकरण:** इसमें कुछ इकाइयों की सार्वजनकि सूची शामलि होगी, जो डज़िाइनर और अंतमि उपयोगकर्त्ता के साथ नरि्माता के अधकि कुशल इंटरफेस को सुनश्चिति करेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-07-september-2021